

● सुनो, पढ़ो और गाओ :

९. सोई मेरी छौना रे !

- डॉ. श्रीप्रसाद

जन्म : ५ जनवरी १९३२, पारना, आगरा (उ.प्र.) **रचनाएँ :** 'खिड़की से सूरज', 'आ री', 'कोयल', 'गुड़िया की शादी', आदि ।

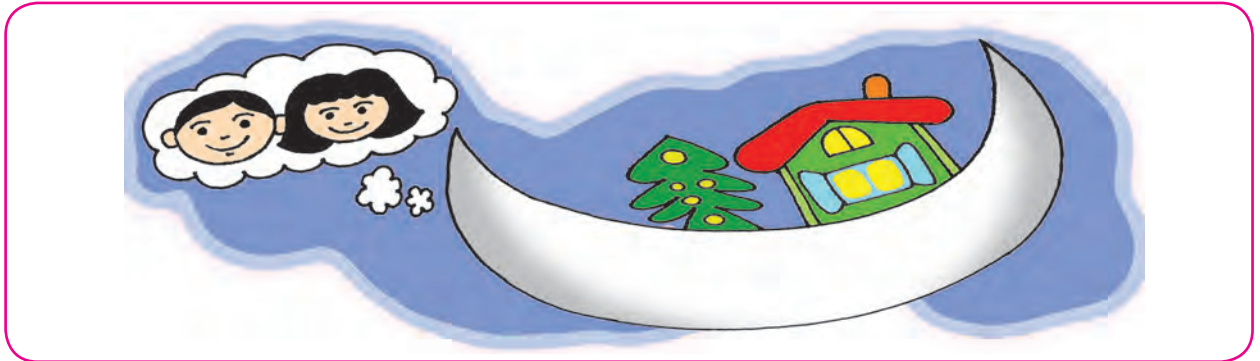
परिचय : आपने विपुल मात्रा में बाल साहित्य का सृजन किया है ।

प्रस्तुत कविता में लोरी के माध्यम से माँ का वात्सल्य भाव प्रकट किया गया है ।



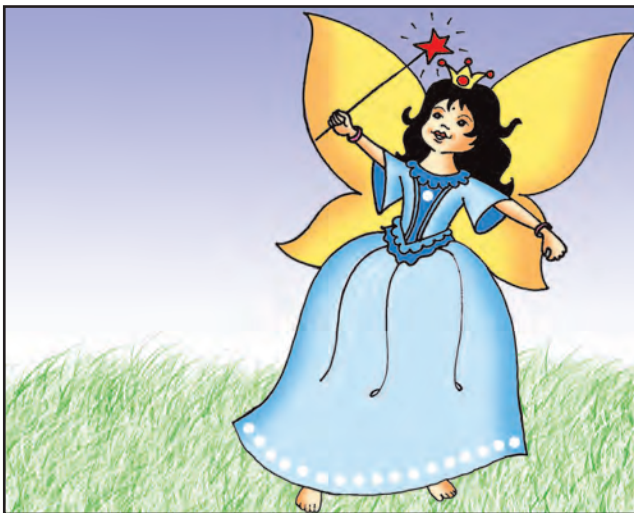
जरा सोचो बताओ

* यदि सच में हमारे मामा का घर चाँद पर होता तो...



मेरा गेंद-खिलौना रे, सोई मेरी छौना रे !

झूला झूले सोने का,
झूले रेशम की डोरी ।
मीठे सपनों में खोई,
सुन-सुन परियों की लोरी ।
मेरा दीठ-दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !



चाँद-सितारे जाग रहे,
नाच रही है चाँदनिया ।
फूल खिले हैं चाँदी के,
फूली मेरी आँगनिया ।
मेरा दीठ-दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !

❑ विद्यार्थियों से लोरी गवाएँ और उसका अर्थ पूछें । इसमें आए संदर्भ समझाएँ और उसपर चर्चा करें । माता-पिता जी का महत्त्व पूछें और उन्हें अपने दादी जी/ नानी जी के गुणों को उजागर करने वाली कोई घटना बताने के लिए कहें । अन्य लोरी सुनाएँ और गवाएँ ।



खोजबीन

विभिन्न क्षेत्रों की 'प्रथम भारतीय महिलाओं' की सचित्र जानकारी कॉपी में चिपकाओ।

मेरा सुख अनहोना रे,
सोई मेरी छौना रे !
गीत सुनाऊँ सोए तू,
तू सोए औ गाऊँ मैं ।
मेरा दीठ दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !



जागे, खेले, रूठे तू,
हँस-हँस तुझे मनाऊँ मैं ।
खिलौनों की दुनिया की
सैर तुझे करवाऊँ मैं ।
मेरी प्यारी सलोनी रे !
सोई मेरी छौना रे !



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

सलोनी = सुंदर

छौना = नन्हा बच्चा



स्वयं अध्ययन

अपने परिवार के प्रिय व्यक्ति के लिए चार काव्य पंक्तियाँ लिखो।

भाषा की ओर



हिंदी-मराठी के समोच्चारित शब्दों की अर्थ भिन्नता बताओ और लिखो।

मराठी अर्थ	समोच्चारित शब्द	हिंदी अर्थ
	← कल →	
	← सही →	
	← खोल →	
	← आई →	
	← परत →	



सुनो तो जरा

नीतिपरक दोहे सुनो और आनंदपूर्वक सुनाओ ।



बताओ तो सही

माँ को एक दिन की छुट्टी दी जाए तो क्या होगा ?



वाचन जगत से

सुभद्राकुमारी चौहान की कविता पढ़ो और समूह में गाओ ।



मेरी कलम से

नियत विषय पर भाषण तैयार करो ।

*** कविता की पंक्तियाँ पूरी करो ।**

१. चाँद सितारे
.....।
.....,
.....आँगनिया ।

२. मेरा सुख
.....!
.....,
..... गाऊँ मैं ।

सदैव ध्यान में रखो



जीवन में माँ का स्थान असाधारण है ।



विचार मंथन



॥ जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥



अध्ययन कौशल

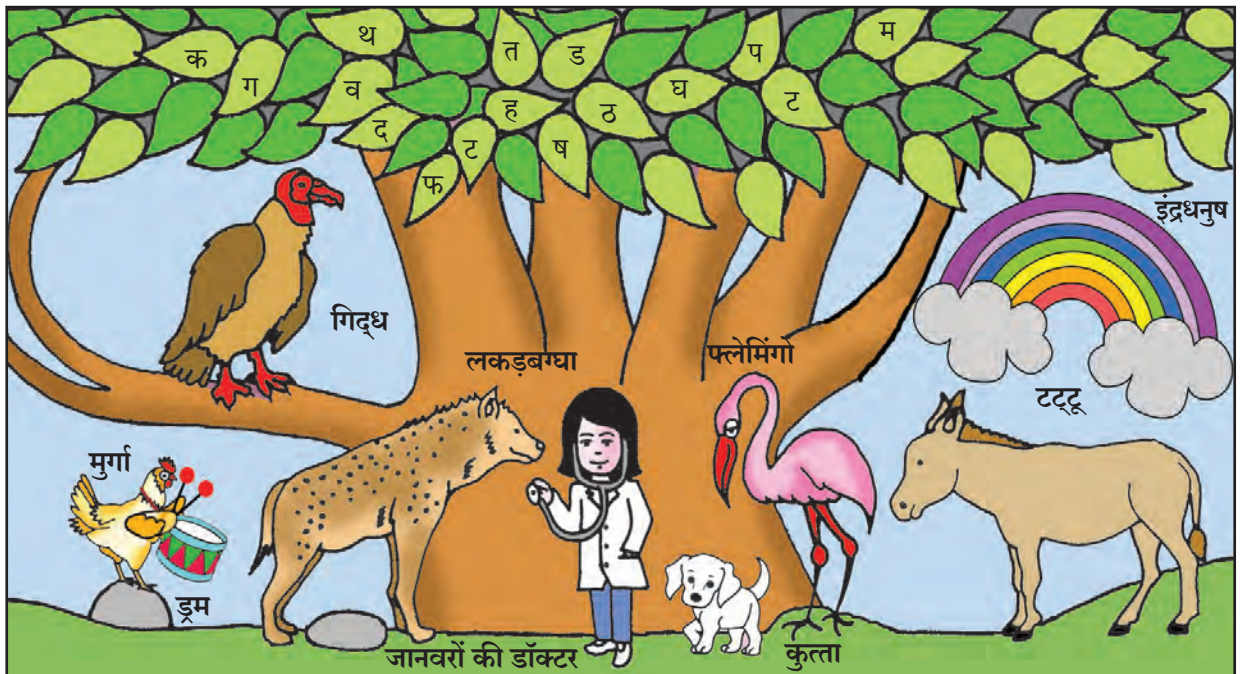


अपने परिवार का वंश वृक्ष तैयार करो और रिश्ते-नातों के नाम लिखो ।

जोड़ो हमें

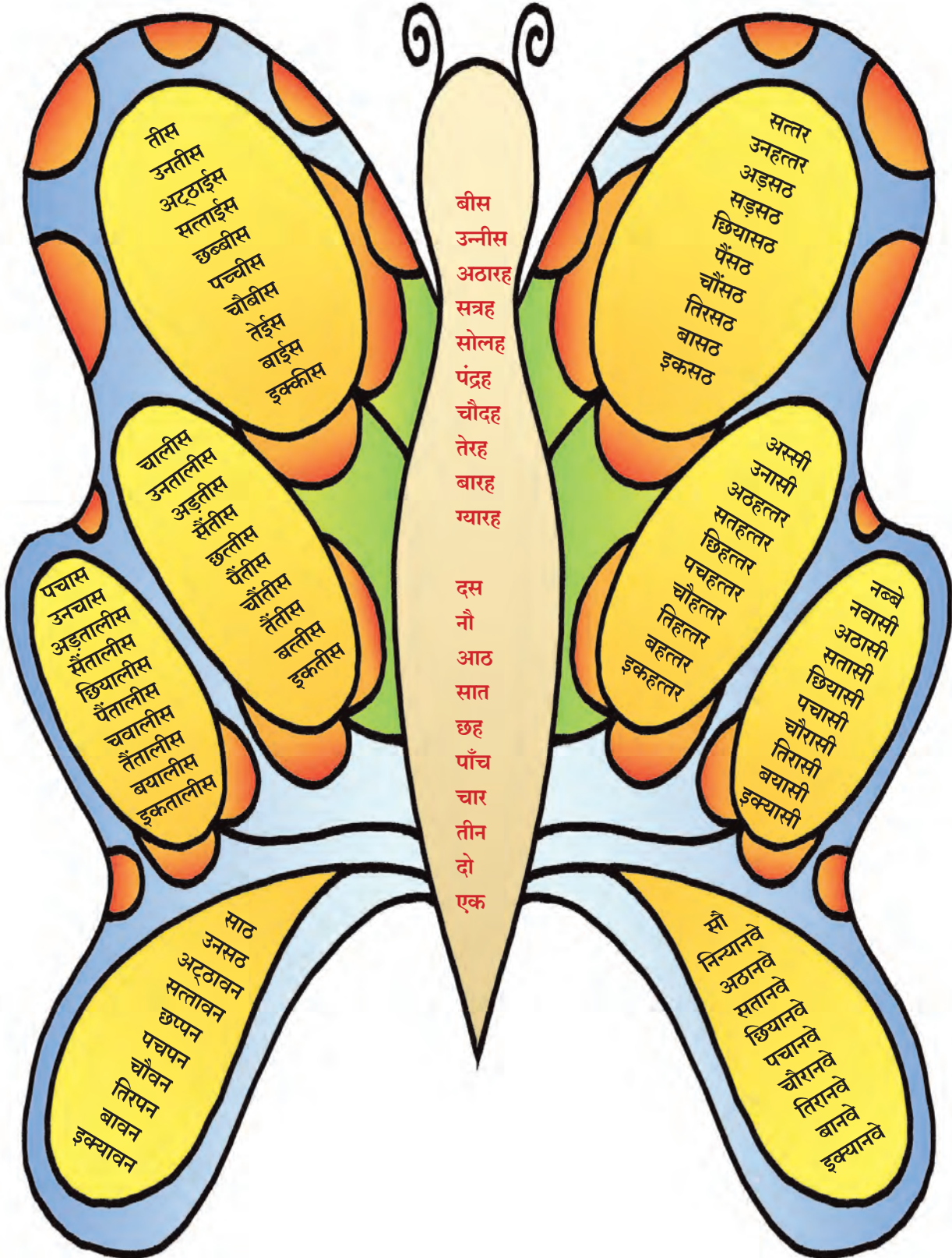
* पेड़ के पत्तों पर दिए गए वर्णों से संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाओ : (आधे होकर, पाई हटाकर, हल लगाकर, 'र' के प्रकार)

(क, फ, ग, त, थ, घ, ष, व, द, म, ह, ठ, ड, ट, प, र)



* स्वयं अध्ययन-१ *

* एक से सौ तक की उलटी गिनती पढ़ो और कॉपी में लिखो :



* पुनरावर्तन - १ *

१. वर्णमाला सुनाओ और विशेष वर्णों के उच्चारण पर ध्यान दो ।

२. विद्यालय के स्नेह सम्मेलन का वर्णन करो ।

३. पसंदीदा विषय पर विज्ञापन बनाकर उसको पढ़ो ।

४. फल-फूलों के दस-दस नाम लिखो ।

५. अक्षर समूह में से खिलाड़ियों के नाम बताओ और लिखो ।

फलों के नाम	फूलों के नाम
१.	१.
२.	२.
३.	३.
४.	४.
५.	५.
६.	६.
७.	७.
८.	८.
९.	९.
१०.	१०.

इ	ह	ना	सा	ल	वा	ने	
ध्या	द	चं	न				
व	शा	ध	जा	बा	खा		
ह	लखा	सिं	मि				
म	री	कॉ	मे				
नि	मि	सा	जा	या			
न	र	स	ल	डु	तें	क	चि

कृति/उपक्रम

माता-पिता से अपने बारे में सुनो ।	पिछले वर्ष किए अपने विशेष कार्य बताओ ।	बाल सभा में प्रतिदिन बोध कथा का वाचन करो ।	वर्ष भर के खेल-समाचारों का सचित्र संकलन प्रस्तुत करो ।
-----------------------------------	--	--	--